S-689 Roll No. ……..

BASL–101

नाटक, अलंकार एवं छन्द

कला में स्नातक (बीए–12 / 16 / 17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2018

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

   (क) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्व पीतेषु या
   नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
   आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
   सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्॥

(ब) अनाघ्रातं पुष्पं कि सलयमलूनं कररुहैः
रनाविद्धं रत्नं मधु नवमनास्वादितरसम्।
अखण्डं पुण्यानां फलमिव च तद्रूपमनघं
न जाने भोक्तारं कमिह समुपस्थास्यति विधिः॥

(ग) आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः॥

2. श्लेषालंकार को परिभाषित करते हुए उदाहरण सहित समझाइए।
3. महाकवि कालिदास की नाट्यशैली का वर्णन करते हुए उपमा कालिदासस्य की समीक्षा कीजिए।
4. कालिदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व विस्तार से लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. व्यतिरेक एवं विशेषोक्ति अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।
2. मालिनी छन्द का लक्षण व उदाहरण लिखिए।
3. सन्देह अलंकार को समझाइए।
4. 'शाकुन्तलम्' के प्रथम अंक का कथासार लिखिए।
5. राजा दुष्यन्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।
6. वसन्ततिलका का लक्षण व उदाहरण लिखिए।

7. यमक अलंकार का लक्षण व उदाहरण लिखिए।
8. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के मंगलाचरण की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प (उत्तर) चुनिए।

1. बत्तीस अक्षरों वाला छन्द है :
   (अ) आर्या
   (ब) स्रग्धरा
   (स) अनुष्टुप्
   (द) मालिनी
2. आश्रमप्रवेशो नाम ..... अंकः।
   (अ) प्रथमः
   (ब) द्वितीयः
   (स) तृतीयः
   (द) चतुर्थः
3. मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्मः ..... तनोति।
   (अ) लक्ष्मीं
   (ब) सरस्वतीम्
   (स) गौरीम्
   (द) धनम्

4. चार यगण वाला छन्द है :
   (अ) उपजाति
   (ब) भुजंगप्रयातम्
   (स) शिखरिणी
   (द) इन्द्रवज्रा

5. 'नभौ भरौ' किस छन्द का लक्षण है ?
   (अ) त्रोटक
   (ब) वंशस्थ
   (स) द्रुतविलम्बित
   (द) आर्या

6. 'वर्णसाम्यम्' किस अलंकार का लक्षण है ?
   (अ) यमक
   (ब) उपमा
   (स) अनुप्रास
   (द) विभावना

7. जतौ तु वंशस्थमुदीरितम् ..... ।
   (अ) जगौ
   (ब) जरौ
   (स) जनौ
   (द) भरौ

8. 'शाकुन्तलम्' के मंगलाचरण पद्य में छन्द है :
   (अ) स्रग्धरा

(ब) मालिनी

(स) शिखरिणी

(द) शादूर्लविक्रीडितम्

9. अनसूया व प्रियंवदा कौन हैं ?

(अ) नटी

(ब) शकुन्तला की सखियाँ

(स) कण्व पुत्री

(द) नायिका

10. महर्षि कण्वाश्रम किस नदी के तट पर है ?

(अ) शारदा

(ब) मालिनी

(स) अलकनन्दा

(द) भागीरथी